

प्रेषक,

जी०बी०ओली,  
संयुक्त सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक,  
अर्थ एवं संख्या निदेशालय,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

नियोजन अनुभाग।

देहरादून, दिनांक: 24 मार्च, 2009

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 के लिये पुनर्विनियोग के माध्यम से आयोजनेत्तर पक्ष में अतिरिक्त धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक उपनिदेशक, बीस सूत्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग के पत्रांक 662/3-ले०(पु०वि०)/2008-09, दिनांक 16 मार्च, 2009 के संदर्भ में तथा शासनादेश संख्या-71/XXVI-तीन(3)/2008 दिनांक 15 अप्रैल, 2008 एवं शासनादेश संख्या-76/XXVI-तीन(3)/2008 दिनांक 25 अप्रैल, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय अनुदान संख्या-07 के अधीन लेखा शीर्षक-3454-02-001-04-बीस सूत्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन अधिष्ठान की मद संख्या-47-कम्प्यूटर अनुरक्षण तथा तत्संबंधी स्टेशनरी का क्रय मद में वास्तविक आवश्यकता के अनुसार व्यय हेतु संलग्न-बी०एम०-15 के अनुसार बचतों को व्यावर्तित करते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 में कुल रु० 30,000 (रुपये तीस हजार मात्र) की अतिरिक्त धनराशि के आहरण एवं व्यय की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त धनराशि केवल उन्हीं मदों पर व्यय की जायेगी जिनके लिये यह स्वीकृति की जा रही है। चालू योजना पर ही व्यय किया जाए और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नई मदों के क्रियान्वयन के लिये नहीं किया जायेगा। संबंधित व्यावर्तित मदों में धनराशि तभी व्यय की जायेगी जब पूर्व शासनादेश दिनांक 15-04-2008 तथा 25-04-2008 के क्रम में तदस्थान में वर्णित मदों में उनका व्यय नहीं किया गया हो और न ही उन मदों में इस वित्तीय वर्ष 2008-09 में व्यय किया जाए।
- 2- स्वीकृत कार्यों पर व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्चेज रूल्स एवं मित्ययता के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जाएगा।
- 3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का एकमुश्त आहरण न करके यथा आवश्यकता अनुसार ही व्यय किया जायेगा तथा व्यय की विवरण यथासमय प्रत्येक माह बी०एम०-13 पर शासन को उपलब्ध कराया जाए।

- 4- यह सुनिश्चित किया जाए कि शासन द्वारा उपरोक्त निर्देशों के अतिरिक्त इस संबंध में अब तक जारी शासनादेशों का अनुपालन अधीनस्थ तक भी सुनिश्चित करने का कष्ट करें।
- 5- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-07 के अधीन लेखा शीर्षक-3454-जनगणना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी, 02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी, आयोजनेत्तर-001, निदेशन तथा प्रशासन-04-बीस सूत्रीय कार्यक्रम क्रियान्वयन अधिष्ठान की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
- 6- यह स्वीकृति वित्त विभाग के अशासकीय सं०- 803 NP/XXVII-5/09 दिनांक 23 मार्च, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(जी०बी०ओली)  
संयुक्त सचिव।

संख्या: 74 (1)/XXVI-तीन(3)/2008, तददिनांक।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- उपनिदेशक, बीस सूत्रीय कार्यक्रम विभाग, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 4- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- समन्वयक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(पी०एस०शाही)  
अनुसचिव।

आयोजन-तत्पर  
(प्रशासनिक विभाग-नियोजन विभाग)

नियंत्रक अधिकारी-निदेशक, अर्थ एवं संख्या

1	2	3	4	5	6	7	8
अनुदान संख्या-07	मानक मदवार आवधिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अर्द्ध में अनुमानित व्यय	अवशेष धनराशि (संरक्षित)	लेखाशोधक जिसने धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है	पुनर्विनियोग के बाद संख्या-05 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद संख्या-01 में अवशेष धनराशि	टिप्पणी
अनुदान संख्या-07				अनुदान संख्या-07			
लेखाशोधक-				लेखाशोधक-			
3454-जनगणना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी				3454-जनगणना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी			
02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी आयोजन-तत्पर				02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी आयोजन-तत्पर			
001-निर्देशन तथा प्रशासन				001-निर्देशन तथा प्रशासन			
04-वीस सूची कार्यक्रम क्रियान्वयन				04-वीस सूची कार्यक्रम क्रियान्वयन			
अधिष्ठान				अधिष्ठान			
19-विज्ञान बिक्री और विज्ञान	910	20	30	47-कम्प्यूटर अनुसंधान तथा संरक्षण	130	800	कम्प्यूटर एपकरणों की मरम्मत एम कार्टेज अन्य
व्यय-				संरक्षण का व्यय	130	800	पेपु मद सं-07-कम्प्यूटर अनुसंधान तथा
योग-	910	20	30				संरक्षण संरक्षण का व्यय में 800 30 हजार
							की अतिरिक्त आवश्यकता है, क्योंकि लगभग
							38 हजार के बिल कार्यालय में अवशेष है।

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग के बजट मैनुअल के परिच्छेद-150,151,155 एवं 156 में उल्लिखित प्रावधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

*(हस्ताक्षर)*

(जी0बी0ओली)  
संयुक्त सचिव।

पुनर्निर्देशनयोग स्वीकृत।

उत्तराखण्ड शासन  
वित्त अनुभाग-5  
संख्या: 803(A)NP/XXVII-5/2008  
देहरादून: दिनांक: 23 मार्च, 2009

शेरा में

महान्देशाकार, उत्तराखण्ड, औद्योगिक मोटर्स विनिर्माण, देहरादून।

संख्या: 74 / XXVI-तीन(3) / 2008, तदुद्दिष्ट।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित :-

- 1- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 2- वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- निदेशक, अर्थ एवं संख्या, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 4- उपनिदेशक, बीस सूत्री कार्यक्रम एवं कार्यान्वयन विभाग, देहरादून।

-हो-  
अपर सचिव  
वित्त।

आज्ञा से,  
(पी.एस.ओ. शाही)  
अनुसंधान।